मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

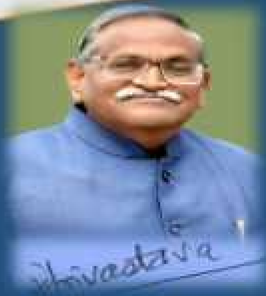

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

कुलपति महोदय का संदेश

मुझे यह बताते हुए अत्यंत ख़ुशी हो रही है कि हमारे विश्वविद्यालय ने दो बहुत ही महत्वपूर्ण आयोजनों - प्रत्यायन टीम - पी.आर.टी. (पीयर रिव्यू टीम) और किसान मेला 2022 "पूर्वी क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय कृषि मेला" दिनांक 12-14 मार्च, 2022 के दौरान "कृषि अपशिष्ट के मुद्रीकरण के माध्यम से उद्यमिता विकास" नामक विषय का सफल आयोजन कर फिर से अपनी सामर्थ्य और योग्यता साबित की है। दोनों आयोजनों को बड़ी सफलता मिली क्योंकि इस आयोजन में पांच राज्यों के तेईस (23) जिलों के किसानों और अन्य हितधारकों के दस हजार पांच सौ अठहत्तर (10,578) प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा किसान मेले में प्रदर्शित विभिन्न प्रौद्योगिकी स्टालों पर विकसित और प्रदर्शित नवीन तकनीकों और उत्पादों से लाभान्वित हुए। इसी प्रकार, प्रत्यायन टीम (पीआरटी) भी विभिन्न महाविद्यालयों/इकाइयों द्वारा प्रदर्शित विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और अनुसंधान अवसंरचना और गतिविधियों का निरीक्षण और समीक्षा करने के बाद बहुत संतुष्टि और सकारात्मक अवलोकन के साथ लौटी। दोनों कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संकायों और स्टाफ सदस्यों द्वारा किए गए प्रयास मेरी भरपूर प्रशंसा के पात्र हैं।

रबी फसल कटाई के समय को देखते हुए, मैं अपने अनुसंधान संकायों और किसानों को सलाह दूंगा कि वे फसल को ओलावृष्टि और बारिश जैसी मौसम की अनिश्चितताओं से बचाने के लिए कटाई और थ्रेसिंग सम्बंधित निर्णय लेने के लिए मौसम के पूर्वानुमान के प्रति सतर्क रहें।

अंत में, मैं विश्वविद्यालय परिसर और इसके बाहर सभी को होली, चैत्र नवरात्रि और रमजान की शुभकामनाएं देता हूं।

खंड -3, अंक -4
अप्रैल, 2022

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :
*डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु. पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)*

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 02.03.2022 को गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा में गन्ने में राष्ट्रीय प्रशिक्षण का उद्‌घाटन किया।
- दिनांक 02.03.2022 महान किसान नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती जी की 133वीं जयंती के अवसर पर डॉ. जगन्नाथ मिश्र महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए।
- दिनांक 09.03.2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से सी.आर.ए. परियोजना की संचालन समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 09.03.2022 को केले के रेशे के माध्यम से रोजगार सृजन के संबंध में दूरदर्शन के एक साक्षात्कार में भाग लिया।
- दिनांक 11.03.2022 को "ग्रामीण आजीविका के लिए एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन में प्रगति" पर डीएसटी (DST) के राष्ट्रीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 12-14 मार्च 2022 के दौरान रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के किसान मेले में भाग लिया और किसानों को संबोधित किया।
- दिनांक 22.03.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि.पूसा द्वारा आयोजित "कृषि जल उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्नत दृष्टिकोण" पर विश्व जल दिवस वेबिनार में भाग लिया।
- दिनांक 23.03.2022 को विश्व मौसम विज्ञान दिवस, 2022 में भाग लिया तथा कृषि में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए पूर्व चेतावनी और जलवायु सूचना विषय पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 25.03.2022 को बेंगलुरु में रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा, को "वर्ष का सबसे आशाजनक कृषि विश्वविद्यालय" प्राप्त करने के लिए एशिया शिक्षा पुरस्कार प्राप्त किया।
- दिनांक 26.03.2022 को नई दिल्ली में महादेवी वर्मा स्मारक समारोह के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में लाइफ टाइम जी. केसी-महादेवी वर्मा पुरस्कार प्राप्त किया।
- दिनांक 28.03.2022 को रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा में "सतत उत्पादन के लिए जलवायु स्मार्ट कृषि" पर 21 दिवसीय शीतकालीन स्कूल और "जलवायु स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के माध्यम से फसल उत्पादन में वृद्धि" पर 21 दिनों के प्रशिक्षण का उद्‌घाटन किया।

हिन्दुस्तान

पूसा कृषि विवि को मिला पुरस्कार

शिक्षा और शैक्षिक गतिविधियां

- विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातक, परास्नातक और पीएच.डी विभागों के मध्यावधि परीक्षा कार्यक्रम दिनांक 21-03-2022 से 02-04-2022 तक सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।.
- विश्व जल दिवस (22 मार्च 2022) पर कृषि जल उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्नत दृष्टिकोण पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।
- विश्व मौसम विज्ञान दिवस 23 मार्च 2022 को कृषि में आपदा जोखिम में कमी के लिए पूर्व चेतावनी और जलवायु सूचना विषय पर आयोजित किया गया।
- कृषि प्रसार शिक्षा विभाग ने भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित दिनांक 26-30 मार्च 2022 से "कृषि अनुसंधान और शिक्षा में योग्यता वृद्धि" पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।
- डॉ. कल्पलता पांडे, कुलपति, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश ने दिनांक 27/03/2022 को मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली का दौरा किया और महाविद्यालय में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के हालिया विकास पर संतोष जाहिर किया।
- विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने विश्वविद्यालय के छात्रों, संकायों और शोधकर्ताओं के लिए 30 मार्च को जे-गेट @ सेरा पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण सत्र मुख्यतः वैज्ञानिक डेटाबेस के माध्यम से ई-संसाधनों की खोज और पहुंच की जानकारी पर केंद्रित था। लगभग 150 उपयोगकर्ताओं ने पंजीकरण कराया और कार्यक्रम में भाग लिया। निदेशक शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया, जबकि विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष ने संयोजक और सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने आयोजन सचिव के रूप में कार्य किया।

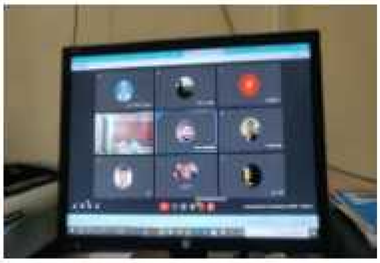

- गुप्तनाथ त्रिवेदी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने वर्णनात्मक और तकनीकी मेटाडेटा- संग्रहीत डेटा से संबंधित योजनाओं को संभालने के लिए "ओमेका - एक ओपन सोर्स आर्काइवल सॉल्यूशन" पर चार दिवसीय लंबे ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया । कार्यक्रम का आयोजन केएलए-कोट्टायम, केरल द्वारा 11 से 13 और 27 मार्च, 2022 के दौरान किया गया।.

अनुसंधान गतिविधियाँ

- महिन्द्रा टीम का कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगकी महाविद्यालय दौराः फ़ार्म मशीनरी एंड पावर इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों की महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी के साथ बातचीत कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगकी महाविद्यालय, पूसा में हुई। यात्रा का उद्देश्य रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में महिंद्रा एंड महिंद्रा ट्रैक्टर्स के कौशल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करना था।

कृषि मशीनीकरण पर राष्ट्रीय अभियान

कृषि मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियंत्रण एवं प्रोद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा ने अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-एफआईएम के तहत "कृषि मशीनीकरण पर राष्ट्रीय अभियान" मनाया। इस अभियान में किसान-गोष्ठी, किसान चौपौल, फील्ड डे, फार्म मैकेनिक प्रशिक्षण और छात्रों की कई गतिविधियों का आयोजन "फार्म मशीनीकरण" विषय के साथ किया गया । इस अभियान के तहत दिनांक 29/03/2022 को कृषि अभियंत्रण एवं प्रोद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा में एक दिवसीय फार्म मैकेनिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- **कंद फसलों की खेती पर प्रशिक्षण आयोजित** - कंद फसलों पर भा.कृ.अनु.प. -अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के आदिवासी उप योजना प्रमुख के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में 10-12 मार्च, 2022 तक "कंद फसलों की वैज्ञानिक खेती" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । मुजफ्फरपुर के मुरौल प्रखंड के 25 किसानों ने भाग लिया। अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली के साथ निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र इस अवसर उपस्थित रहे।

मधुमक्खी उत्पादन पर प्रशिक्षण आयोजित

अनुभवात्मक शिक्षण परियोजना (ईएलपी) द्वारा शहद (हनी बी) , तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली में मधुमक्खी उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । अधिष्ठाता, परास्नातक के साथ अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय और निदेशक बीज एवं फार्म ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। प्रशिक्षण आत्मा सहरसा द्वारा प्रायोजित था और सहरसा जिले के 40 किसानों ने भाग लिया। समापन सत्र के दौरान डीडीसी मुजफ्फरपुर व डीएओ मुजफ्फरपुर को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

जेडआरईएसी -खरीफ का आयोजन

जोन- 1 के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति (खरीफ) की बैठक तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली द्वारा 25 मार्च 2022 को आयोजित की गई। अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने बैठक का उद्घाटन किया और विभिन्न महत्वपूर्ण एजेंडे पर चर्चा की गई, जिसमें से दस एजेंडा को आगे की कार्रवाई के लिए चुना गया। बैठक में हुई चर्चा में निदेशक अनुसंधान, उप निदेशक प्रसार शिक्षा, निदेशक बीज और फार्म, अधिष्ठाता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी, विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक, विभिन्न केवीके के प्रमुख और एस.एम.एस के साथ प्रदेश के जोन-1 के विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

- डीडीसी, मुजफ्फरपुर ने 26 मार्च 2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली में बाजरा उत्पादन, उपयोग और मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्‌घाटन किया। बाजरा पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 25 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, निदेशक बीज एवं फार्म और डीएओ, मुजफ्फरपुर ने की।

- **मसाला उत्पादन प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण आयोजित**
सुपारी और मसाला विकास निदेशालय, कालीकट, केरल (भारत सरकार) की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत 28-30 मार्च 2022 तक तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में मसाला उत्पादन प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया । पश्चिम चंपारण के चालीस अनुसूचित जाति के किसानों ने प्रशिक्षुओं के रूप में भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्‌घाटन अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने किया।

- **संकर धान के बीज उत्पादन पर प्रशिक्षण आयोजित**

आर.के.वी.वाई. परियोजना के तहत दिनांक 29.03.22 से 30.03.22 तक 36 किसानों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका शीर्षक "बिहार में हाइब्रिड धान के बीज उत्पादन प्रथाओं और सहभागी बीज उत्पादन कार्यक्रम का मानकीकरण" था समस्तीपुर जिले के कमतौल गांव में प्रथम दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा दिन तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली में आयोजित किया गया और इसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के अन्य वैज्ञानिकों की उपस्थिति में अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली ने की।

- **मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण आयोजित**-
मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकास पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मशरूम स्पॉन एंड प्रोडक्शन सेंटर, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली द्वारा 30 मार्च से 04 अप्रैल, 2022 तक मशरूम पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के एस.सी.एस.पी. प्रमुख के तहत किया गया । कुल 27 एस.सी. प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। उद्‌घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, कुलसचिव, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और परियोजना निदेशक, एसीएमआर की उपस्थिति में किया।

- **दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित** -24 -26 फरवरी, 2022 को "मछली प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के बीच उद्यमिता विकास" पर अखिल भारतीय परियोजना -केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईएफटी), कोचीन के सहयोग से मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में एक साथ दो प्रशिक्षण आयोजित किये गए। चालीस महिलाएं (20) समस्तीपुर जिले के दो अलग-अलग गांवों से अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय से संबंधित प्रत्येक प्रशिक्षण बैच में) ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार के मछली उत्पादों जैसे फिश सॉसेज, फिश मोमोज और फिश पनीर बनाने की विधियों की जानकारी दी गयी।

प्रसार गतिविधियाँ

डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में क्षेत्रीय किसान मेला-2022

कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय "पूर्वी क्षेत्र हेतु क्षेत्रीय कृषि मेला" का आयोजन 12 से 14 मार्च 2022, के दौरान किया गया।

- मेले का उद्‌घाटन करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान, लुधियाना, पंजाब ने किसानों के लिए क्षेत्रीय कृषि मेले के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने किसानों को मक्का की खेती तथा मक्का बीज उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जो किसानों को अधिक आय अर्जित करने में सक्षम बनाएगा।

- समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कुमार सिंह, उप महानिदेशक (कृषि विस्तार), भा.कृ.अनु.प. ने किसानों के आय को अधिकतम करने हेतु उपज का विपणन करने के लिए किसान उत्पादक संगठन बनाने का आग्रह किया।
- समापन समारोह में सम्मिलित सम्मानित अतिथियों में डॉ. अरुण कुमार, माननीय कुलपति, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, बिहार; डॉ. अंजनी कुमार, निदेशक, भा.कृ.अनु.प- अटारी, जोन - IV, पटना एवं डॉ. राम प्रसाद साहनी, संयुक्त निदेशक, कृषि विभाग, बिहार सरकार रहे। डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, बिहार ने मेले के थीम "कृषि अपशिष्ट मुद्रीकरण के माध्यम से उद्यमिता विकास" के बारे में विचार प्रकट करते हुए कहा कि यह मेला विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों पर आधारित है । सुखेत मॉडल पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मेले की थीम से संबंधित यह एक आदर्श तकनीक है। उन्होंने विश्वविद्यालयों और भा.कृ.अनु.प संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्रीय कृषि मेला द्वारा गांवों में कृषि गतिविधियों को बढ़ाने में मेले के महत्व की चर्चा भी की। उन्होंने बताया कि, प्रदर्शनी के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र व आई.एफ.एस. मॉडल, वर्टीकल बागवानी और जल संचयन संरचना आदि ने विभिन्न किसानों का ध्यान आकर्षित किया। साथ हीं उन्होंने किसानों को उनकी आजीविका सशक्त बनाने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में अनुकूल प्रौद्योगिकियों के हो रहे उपयोग के बारे में भी अवगत कराया।

- **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** ने 12 से 14 मार्च, 2022 तक पूसा में आयोजित किसान मेला में मत्स्य पालन और जलीय कृषि से संबंधित विभिन्न तकनीकों को प्रदर्शित करने के लिए मत्स्य स्टाल लगाया। स्नातक (मत्स्यकी) चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने किसान मेला में भाग लिया जहां उन्होंने विभिन्न मूल्य वर्धित मछली उत्पादों को तैयार किया और बेचा। मत्स्यकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, और डॉ तनुश्री घोड़ाई, सहायक प्राध्यापक की देखरेख में अचार, कटलेट, गेंद, बर्गर और मोमोज आदि मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किये गये। मत्स्यकी इंजीनियरिंग और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा (मैक्रोब्राथस पैनकुलस), विशाल मीठे पानी का झींगा (मैक्रोब्राचियम रोसेनबर्गि), तिलापिया (ओरियोक्रोमिस निलोटिकस) और मागुर (क्लारियस मागुर) सहित विभिन्न प्रकार के मछली पकड़ने के गियर, एंकर, लाइव जैकेट, एंजेलर्स और आर.ए.एस (रीसर्क्युलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) मॉडल का प्रदर्शन भी किया गया। किसान मेला में मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली को तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, लाढा, समस्तीपुर-** में बीज मसालों पर फील्ड दिवस का आयोजन 30 मार्च 2022 को ग्राम देसौआ, उजियारपुर में किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिकों और के.वी.के. लाढा और बिरौली के अध्यक्ष सहित कुल 25 किसान उपस्थित हुए जिन्हें (मेथी, सौंफ, अजवाइन, धनिया और जीरा) जैसे बीज मसालों की खेती और प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।
- **कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज** में सरसों की फसल पर "क्षेत्र दिवस-सह-जागरूकता" कार्यक्रम का आयोजन बरनिहार, ब्लॉक नरकटियागंज में क्लस्टर फ्रंट लाइन प्रदर्शनों (सी.एफ.एल.डी) के तहत किया गया जिसमे किसानों को समन्वित उर्वरक प्रबंधन (आई.एन.एम.), समन्वित कीट प्रबंधन (आई.पी.एम.) और राजेंद्र सुफलाम के बेहतर किस्म सहित अन्य कृषि संबंधी तकनीकों के बारे में बताया गया। क्षेत्र दिवस कार्यक्रम में कुल 40 किसानों ने भाग लिया।
- **कृषि विज्ञान केंद्र, बेगूसराय ने ग्रीष्मकालीन सोयाबीन की खेती के लिए किस्मों का परीक्षण शुरू किया** खरीफ मौसम में लगातार दो वर्षों से प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के कारण सोयाबीन उत्पादक किसानों के समक्ष उत्पन्न समस्याओं का समाधान करने एवं गर्मी की बुवाई को ध्यान में रख कर कृ.वि.के. बेगूसराय द्वारा उपयुक्त किस्मों की स्क्रीनिंग के लिए सोयाबीन पर स्टेशन परीक्षण किया गया।
- **कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली** ने प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए लेजर लैंड लेवलर पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमे उन्हें लेजर लैंड लेवलर का रखरखाव, भंडारण, देखभाल सम्बंधित पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न कृ.वि.के. और अन्य सेवा प्रदाताओं के ट्रैक्टर चालकों को लेजर लैंड लेवलर का उपयोग करने में दक्षता हेतु प्रशिक्षित करना था।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की और बिरौली** में दिनांक 08.03.2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न गांवों की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके सामाजिक और कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक बनाना था।

पुरस्कार, खेल इत्यादि गतिविधियाँ

- डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा को एशिया टुडे समूह द्वारा "मोस्ट प्रोमिसिंग एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी ऑफ़ द पुरस्कार 25 मार्च 2022 को मैरियट होटल, बेंगलुरु, कर्नाटक में आयोजित एशिया शिक्षा शिखर सम्मेलन और पुरस्कारों के दौरान प्रदान किया गया।
- इंडियन फाइटोपैथोलॉजिकल सोसायटी, नई दिल्ली ने 26.03.2022 को सर्वसम्मति से डॉ. एस. के. सिंह, (प्राध्यापक, प्लांट पैथोलॉजी और सह निदेशक, अनुशंधान) को पूर्वी क्षेत्र (बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल) के क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में और डॉ. दिनेश राय, सहायक प्राध्यापक, प्लांट पैथोलॉजी क्षेत्रीय पार्षद चुने गए। यह चुनाव साल 2022-23 के लिए हुआ है।
- डॉ. शिवेंद्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने केवीके, बिरौली में प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के प्रभावी कार्यान्वयन पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, पूसा का "CAET तकनीक" पर प्रस्तुत कार्यक्रम दूरदर्शन पर प्रसारित की गई। बातचीत में उन्होंने कृषि में विशेषकर बिहार कृषि के संदर्भ में मशीनीकरण के महत्व पर विचार साझा किये। उन्होंने दर्शकों को CAET द्वारा विकसित विभिन्न कृषि उपकरणों के बारे में भी जानकारी भी दी।
- डॉ. एस.के. पटेल, विभागाध्यक्ष, फार्म मशीनरी एवं पॉवर इंजीनियरिंग ने दिनांक 22 मार्च 2022 को कृषि विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित "बिहार दिवस" समारोह में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। विश्वविद्यालय ने जलवायु स्मार्ट कृषि थीम पर द्वितीय पुरस्कार जीता।

- डॉ. राकेश मणि शर्मा, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष ने डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा में भा.कृ.अनु.प. प्रायोजित शीतकालीन स्कूल के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में "रिसर्च डेटा मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज : एक परिदृश्य" विषय पर दिनांक 29-03-2022 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। उक्त कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न के.वी.के में नव नियुक्त सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर और एस.एम.एस के हेतु आयोजित किया गया था।

वैज्ञानिक हिंदी अनुवाद- गुप्तनाथ त्रिवेदी एवं डॉ. राकेश मणि शर्मा